कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (38) खण्ड - {75}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- किसका आदि -मध्य-अन्त नहीं होता है ?

A- अकालमूर्त

B- अमर

C- अविनाशी

D- अजर

प्रश्न 2 - बाप आकर आत्माओं से बात करते हैं कि हे आत्मायें तुम पहले क्या थी ? फिर माया ने परछाया डाला ।

A- अशरीरी

B- देही अभिमानी

C- अकालमूर्त

D- जागती ज्योति

प्रश्न 3-एक है मुक्ति-धाम पावन, दूसरा है कौन सा पावन धाम/स्थान है ?

A- सुखधाम

B- साकार लोक

C- परमधाम

D- जीवन मुक्तिधाम

प्रश्न 4- पास्ट सो पास्ट कर इस अन्तिम जन्म में बाप को किस बात से मदद करनी है ?

A- तन-मन-धन

B- ज्ञान बांटने

C- पवित्रता

D- योगबल

प्रश्न 5- क्या बनने के लिए बाप जो समझाते हैं उसे अच्छी तरह से समझना है, स्वयं में धारणा कर दूसरों को कराना है ?

A- फरिश्ता

B- विशाल बुद्धि

C- पारसबुद्धि

D- देवता

प्रश्न 6- कौन सा राज़ बहुत ही गुह्य, गोपनीय और समझने का है ?

A- निराकार बाप सभी का मात-पिता कैसे बनते हैं।

B- वह सृष्टि की रचना किस विधि से करते हैं।

C- यह ब्रह्मा पिता भी है तो माता भी है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- कौन सी स्मृति ही स्वदर्शन चक्र है ?

A- बाप और वर्से को याद करना है।

B- लक्ष्मी-नारायण बनना है।

C- हमें पुजारी से पूज्य बनना है।

D- हमें फरिश्ता से देवता बनना है।

प्रश्न 8- कौन सा मंत्र सब पापों से मुक्त करने वाला है ?

A- मामेकम्

B- मनमनाभव

C- मध्याजीभव

D- ततत्वम्

प्रश्न 9- मनमनाभव रहने वालों की निशानी क्या है ?

A- ज्ञान का विचार सागर मंथन करेंगे।

B- बाबा से मीठी-मीठी रूहरिहान करेंगे।

C- स्वदर्शन चक्र घुमायेंगे।

D- A और B

प्रश्न 10- दोज़क/नर्क का द्वार बाबा ने किसे बताया है, जो वृत्तियों को खराब कर देता है ?

A- गन्दे चित्र

B- गन्दे समाचार

C- सिनेमा

D- गलत वृत्तियां

प्रश्न 11- लास्ट जन्म ..... भूलों का ही है। जरा भी बुद्धि काम नहीं करती ?

A- 100 परसेन्ट

B- 99 परसेन्ट

C- 50 परसेन्ट

D- 75 परसेन्ट

प्रश्न 12- ज्ञान और योग की धारणा नहीं होगी तो ?

A- मेहनत करनी पड़ेगी

B- ऊंच पद नहीं मिलेगा

C- एम आबजेक्ट नहीं मिलेगा

D- सेवा में सफलता नहीं मिलेगी

प्रश्न 13- तुम्हारी एम आबजेक्ट क्या पाने की है ?

A- कर्मातीत अवस्था

B- मुक्ति

C- जीवनमुक्ति

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- शिव शंकर को मिला देते हैं। अब कहाँ शिव परमधाम के निवासी और कहाँ शंकर किस वतन के निवासी हैं ?

A- साकार वतन

B- मूलवतन

C- स्थूलवतन

D- सूक्ष्म वतन

प्रश्न 15- बाप कहते हैं मैं पराई रावण की दुनिया में आता हूँ। एक तरफ है आसुरी गुणों वाली सम्प्रदाय। दूसरी तरफ है,दैवीगुणों वाली सम्प्रदाय। आसुरी सम्प्रदाय को यह भी कहते हैं ?

A- कंसपुरी

B- रावणपुरी

C- लंकापुरी

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- जगत अम्बा सो लक्ष्मी, सो फिर 84 जन्मों का चक्र लगाकर फिर क्या बनती हैं ?

A- जगत अम्बा

B- दुर्गा

C- लक्ष्मी

D- मम्मा

भाग (38) खण्ड {75} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.अविनाशी*

अब देही-अभिमानी कौन बनाता है? जो आत्माओं का अविनाशी बाप है। *अविनाशी माना जिसका आदि-मध्य-अन्त नहीं है।* अगर आत्मा का और परम आत्मा का आदि मध्य अन्त कहें तो फिर रचना का भी सवाल उठ जाए।

उत्तर 2- *D.जागती ज्योति*

बाप आकर आत्माओं से बात करते हैं कि हे आत्मायें तुम जागती ज्योति थी, फिर माया ने परछाया डाला। डालते-डालते तुमको धुन्धकारी बुद्धि बना दिया है।

उत्तर 3- *D.जीवन मुक्तिधाम*

बाप है पतित-पावन। *एक है मुक्ति-धाम पावन, दूसरा है जीवन मुक्तिधाम पावन।* फिर द्वापर के बाद सभी पतित बन जाते हैं। पाँच तत्व आदि सब तमोप्रधान बन जाते हैं

उत्तर 4- *C.पवित्रता*

पास्ट सो पास्ट कर इस अन्तिम जन्म में बाप को पवित्रता की मदद करनी है। तन-मन-धन से भारत को स्वर्ग बनाने की सेवा में लगना है।

उत्तर 5- *C.पारसबुद्धि*

पारसबुद्धि बनने के लिए बाप जो समझाते हैं उसे अच्छी तरह से समझना है, स्वयं में धारणा कर दूसरों को कराना है"

उत्तर 6- *D.उपरोक्त सभी*

निराकार बाप सभी का मात-पिता कैसे बनते हैं, वह सृष्टि की रचना किस विधि से करते हैं, यह बहुत ही गुह्य और गोपनीय राज़ है निराकार बाप माता बिगर सृष्टि तो रच नहीं सकते। कैसे वह शरीर धारण कर, उसमें प्रवेश कर उनके मुख से *बच्चे एडाप्ट करते हैं, यह ब्रह्मा पिता भी है तो माता भी हैं* - यह बात बहुत ही समझकर सिमरण करने वा स्मृति में रखने की है।

उत्तर 7- *C.हमें पुजारी से पूज्य बनना है*

बुद्धि में स्वदर्शन चक्र फिराते रहना है। हम पूज्य थे, फिर पुजारी बनें, 84 जन्मों का चक्र पूरा किया, फिर से ड्रामा

रिपीट होना है, *हमें पुजारी से पूज्य बनना है - यह स्मृति ही स्वदर्शन चक्र है।*

उत्तर 8- *B.मनमनाभव*

एक मनमनाभव के महामंत्र से तुम समझदार बनते हो, यही मंत्र सब पापों से मुक्त करने वाला है मनमनाभव रहने वाले बच्चे सदा ज्ञान का विचार सागर मंथन करते रहेंगे। वह बाबा से मीठी-मीठी रूहरिहान करेंगे।

उत्तर 9- *D. A और B*

मनमनाभव रहने वाले बच्चे सदा ज्ञान का विचार सागर मंथन करते रहेंगे। वह बाबा से मीठी-मीठी रूहरिहान करेंगे

उत्तर 10- *C.सिनेमा*

अगर गन्दे चित्र देखने की, गन्दे समाचार पढ़ने की आदत पड़ी तो बाप की याद रह नहीं सकती। *सिनेमा है

दोज़क का द्वार, जो वृत्तियों को खराब कर देता है।*

उत्तर 11- *A.100 परसेन्ट*

भक्ति मार्ग में टाइम वेस्ट ही होता आया है। कितनी भूलें होती हैं। भूल करते-करते भोले ही बन गये हैं। *यह लास्ट जन्म 100 परसेन्ट भूलों का ही है। जरा भी बुद्धि काम नहीं करती।* अब बाबा तुमको समझाते हैं, तब तुम समझते हो। अभी तुम सब समझ गये हो तो औरों को भी समझाते हो। खुशी का पारा भी तुम्हें चढ़ता है।

उत्तर 12- *B.ऊंच पद नहीं मिलेगा*

तुम बच्चों को खुशी का पारा चढ़ता है कि हम तमोप्रधान से सतोप्रधान बनें। अब ऊंच पद पाने लिए खूब पुरुषार्थ करना है। ऐसे नहीं स्वर्ग में तो सब जायेंगे। *अगर ज्ञान और योग की धारणा नहीं होगी तो ऊंच पद नहीं मिलेगा।*

उत्तर 13- *C.जीवनमुक्ति*

वो लोग चाहते हैं मुक्ति को पायें। *यहाँ तुम्हारी एम आबजेक्ट है जीवनमुक्ति को पाने की।* जीवन-मुक्ति पाने का कोई रास्ता बता न सके। संन्यासी आदि कोई भी यह नॉलेज दे न सके।

उत्तर 14- *D.सूक्ष्म वतन*

द्वापर से सब यादगार बनना शुरू होते हैं। सोमनाथ का मन्दिर है, परन्तु वह क्या करके गये हैं - यह कोई नहीं जानते। वह शिव शंकर को मिला देते हैं। *अब कहाँ शिव परमधाम के निवासी और कहाँ शंकर सूक्ष्मवतन के वासी।* कुछ भी समझते नहीं। बाप कहते हैं कितने भी वेद शास्त्र आदि कोई पढ़े, जप तप करे परन्तु मेरे से मिल नहीं सकते।

उत्तर 15- *A.कंसपुरी*

बाप कहते हैं मैं पराई रावण की दुनिया में आता हूँ। *एक तरफ है आसुरी गुणों वाली सम्प्रदाय। दूसरी तरफ है दैवीगुणों वाली सम्प्रदाय, इनको कंसपुरी भी कहते हैं।* कंस असुर को कहा जाता है। श्रीकृष्ण को देवता कहा जाता है।

अब बाप आये हैं देवता बनाने और सबको वापिस ले जाने, और कोई की ताकत नहीं।

उत्तर 16- *A.जगत अम्बा*

लक्ष्मी के आगे ऐसी आशायें नहीं रखेंगे, उनसे सिर्फ धन मांगते हैं। *यह तो तुम जानते हो - जगत अम्बा सो लक्ष्मी, सो फिर 84 जन्मों का चक्र लगाकर फिर जगत अम्बा बनती है।* झाड़ में देखो जगत अम्बा बैठी है। यही फिर महारानी बनेंगी जरूर, तुम बच्चे भी राजधानी में आयेंगे।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (38) खण्ड - {76}

प्रश्न 1- कल्प के संगमयुगे बाप आते हैं। गीता में कल्प अक्षर बदल कर सिर्फ क्या लिख दिया है ?

A- कल्प- कल्प

B- युगे-युगे

C- द्वापर-कलियुग

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- कौन बॉम्बस बनाते हैं। वह भी कहते हैं हमको कोई प्रेरणा देने वाला है। वह जानते हैं कि इससे हम अपने ही कुल का विनाश करते हैं ?

A- कौरव

B- भारतवासी

C- यूरोपवासी यादव

D- साइंस वाले

प्रश्न 3- ..... से याद की सीढ़ी पर चढ़ना है। सीढ़ी चढ़ने से ही अपार सुख का अनुभव होगा।

A- बुद्धिबल

B- शान्ति की शक्ति

C- योगबल

D- पवित्रता

प्रश्न 4- यह जगत अम्बा, जगत पिता जो स्थापना अर्थ निमित्त बने हुए हैं, यही फिर स्वर्ग में क्या बनेंगे।

A- दुखहर्ता-सुखकर्ता

B- पालन-कर्ता

C- विघ्न विनाशक

D- अकालमूर्त

प्रश्न 5- कौन सा पार्ट ज्ञान सागर बाप में भरा है, जो किसी मनुष्य-आत्मा में नहीं ?

A- भक्तो की सम्भाल करने का

B- सबको सुख देने का

C- अविनाशी ज्ञान की बरसात करना

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- किसकी प्रवेशता के कारण मनुष्य जो कुछ कहेंगे वह असत्य ही कहेंगे, जिसको आसुरी मत कहा जाता है ?

A- माया

B- देह अभिमान

C- विकारों

D- क्रोध

प्रश्न 7- अल्लाह अवलदीन का भी नाटक है। क्या करने से बहिश्त निकल आता था ?

A- जादू

B- ठका

C- टोना

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8-शरीर और आत्मा दोनों को पवित्र बनाने के लिए क्या करना है?

A- इस पुराने शरीर सहित सब कुछ भूलना है।

B- अशरीरी बनना है।

C- देहीभिमानी बनना है।

D- नष्टोमोहा बनना है।

प्रश्न 9- जो बाप से योग रखते हैं तो बाप भी आकर क्या करते हैं ?

A- स्नेह करते

B- याद करते

C- सहयोग करते

D- मदद करते

प्रश्न 10- मानसिक रोगों को दूर भगाने का साधन है ?

A- साइन्स की शक्ति

B- साइलेन्स की शक्ति

C- पवित्रता की शक्ति

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- अनेक धर्म होने से क्या हुई है ?

A- अपवित्रता

B- दुःख

C- अशान्ति

D- क्लेश

प्रश्न 12- गीता शास्त्र कौन सी मत का शास्त्र है ?

A- मनमत्

B- निराकारी मत

C- साकारी मत

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- शक्ति सेना की मुख्य हैं ?

A- जगदम्बा

B- काली

C- सरस्वती

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- ध्यानी से कौन श्रेष्ठ है ?

A- सहयोगी

B- ज्ञानी

C- योगी

D- देही अभिमानी

प्रश्न 15- अथॉरिटी से किसके भगवान को सिद्ध करना है ?

A- श्रीमद्भागवत गीता

B- शास्त्रों

C- गीता

D- रामायण

प्रश्न 16- बाप ने रचता और रचना का ज्ञान देकर क्या बनाया है ?

A- मास्टर सर्वशक्तिमान

B- मास्टर जानी-जाननहार

C- मास्टर ज्ञान सांगर

D- उपरोक्त सभी

भाग (38) खण्ड {76} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.युगे-युगे*

सतयुग के बाद त्रेता, फिर त्रेता के बाद द्वापर और कलियुग का संगम। कलियुग के बाद फिर सतयुग जरूर आयेगा। बीच में संगम जरूर चाहिए। *कल्प के संगमयुगे बाप आते हैं। उन्होंने कल्प अक्षर बदल सिर्फ युगे-युगे लिख दिया है।*

उत्तर 2- *C.यूरोपवासी यादव*

आपेही मनुष्यों को टच होगा कि कोई की प्रेरणा से यह विनाश ज्वाला की तैयारी हो रही है। *यूरोपवासी यादव बाम्ब्स बनाते हैं। वह भी कहते हैं हमको कोई प्रेरणा देने वाला है।* हम जानते हैं कि इससे हम अपने ही कुल का विनाश करते हैं। न चाहते हुए भी यह मौत का सामान बनाते हैं।

उत्तर 3- *A.बुद्धिबल*

बुद्धिबल से याद की सीढ़ी पर चढ़ना है। सीढ़ी चढ़ने से ही अपार सुख का अनुभव होगा। भोजन बनाने समय पति, बच्चा याद पड़ता है तो शिवबाबा क्यों नही पड़ सकता! यह तुम्हारा काम है। बाबा बुद्धि की सीढ़ी देते हैं फिर चढ़ो न

चढ़ो, यह है तुम्हारा काम। जितना याद करेंगे उतनी सीढ़ी चढ़ते जायेंगे। नहीं तो इतना सुख नहीं मिलेगा। अच्छा!

उत्तर 4- *B.पालन-कर्ता*

अभी तुम बच्चे जानते हो कि यह जगत अम्बा, जगत पिता जो स्थापना अर्थ निमित्त बने हुए हैं, यही फिर स्वर्ग में पालन-कर्ता बनेंगे। मनुष्य तो जानते नहीं विष्णु कुल किसको कहा जाता है। विष्णु तो है सूक्ष्मवतनवासी, उनका फिर कुल कैसे हो सकता? अभी तुम जानते हो विष्णु के दो रूप लक्ष्मी-नारायण बन पालना करते हैं, राज्य करते हैं। यह है ज्ञान चिता।

उत्तर 5- *D.उपरोक्त सभी*

बाबा कहते - मुझ आत्मा में भक्तों की सम्भाल करने का, सबको सुख देने का पार्ट है। मैं ज्ञान सागर बाप सभी बच्चों पर अविनाशी ज्ञान की बरसात करता हूँ, जिन ज्ञान रत्नों का कोई मूल्य नहीं कर सकता। मैं लिबरेटर हूँ, रूहानी

पण्डा बन तुम आत्माओं को वापिस शान्तिधाम ले जाता हूँ। यह सब मेरा पार्ट है।

उत्तर 6- *A.माया*

बाप है सत्य, वह सब सत्य सुनाकर सच्चा सोना बना देते हैं। फिर माया असत्य बनाती है। *माया की प्रवेशता के कारण मनुष्य जो कुछ कहेंगे वह असत्य ही कहेंगे* , जिसको आसुरी मत कहा जाता है। बाप की है ईश्वरीय मत। आसुरी मत वाले झूठ ही बतायेंगे।

उत्तर 7- *B.ठका*

हातमताई का खेल दिखाते हैं। वह मुहलरा मुख में डालते थे तो माया गुम हो जाती थी। मुहलरा निकालते थे तो माया आ जाती थी। *अल्लाह अवलदीन का भी नाटक है। ठका करने से बहिश्त निकल आता था।* वह है बहिश्त अथवा स्वर्ग। तो बाप बैठ बहिश्त की स्थापना करते हैं ब्रह्मा द्वारा।

उत्तर 8- *A.इस पुराने शरीर सहित सबकुछ भूलना है*

एक तरफ पढ़ाई पूरी होगी और विनाश शुरू हो जायेगा। बाकी रिहर्सल तो होती रहेगी। तुमको इस पढ़ाई का फल फिर नई दुनिया में मिलना है। वहाँ आत्मा, शरीर, राजाई सब नया होता है। इसलिए *शरीर और आत्मा दोनों को पवित्र बनाने के लिए इस पुराने शरीर सहित सब कुछ भूलना है।* देह सहित बाप पर पूरा बलि चढ़ फ्लैन्थ्रोफिस्ट (महादानी) बनना है।

उत्तर 9- *D.मदद करते*

शिवबाबा कहते हैं - बच्चे, तुम मेरी ईश्वरीय औलाद हो, मेरे को याद करो। ऐसे और कोई कह न सके। मैं ही इनमें प्रवेश कर कह सकता हूँ। मैं ज्ञान सागर हूँ ना। तुम ज्ञानी तू आत्मा बन रहे हो। *तो जो बाप से योग रखते हैं तो बाप भी आकर मदद करते हैं।*

उत्तर 10- *B.साइलेन्स की शक्ति*

अनेक प्रकार के मानसिक रोगों को दूर भगाने का साधन है - साइलेन्स की शक्ति।

उत्तर 11- *C.अशान्ति*

तुम चाहते हो विश्व में शान्ति हो। वह तो सतयुग में थी। *पीछे अनेक धर्म होने से अशान्ति हुई है।* परन्तु जब तक कोई समझे तब तक माथा मारना पड़ता है। आगे चलकर अखबारों में भी पड़ेगा, फिर इन संन्यासियों आदि के भी कान खुलेंगे।

उत्तर 12- *B.निराकारी मत*

आत्मा मानती है कि हमारा परमपिता परमात्मा निराकार है। निराकार होने कारण, इन आंखों से न देखने कारण इतनी याद नहीं ठहरती। यह निराकार बाप निराकारी बच्चों (आत्माओं) को कहते हैं। तुमको निराकारी मत मिलती है। *गीता शास्त्र है ही निराकारी मत का।* साकारी मत का

नहीं है। गीता धर्मशास्त्र है ना।

उत्तर 13- *D.उपरोक्त सभी*

यहाँ शिकार कराना है माताओं से। बाप कहते हैं शिकार माताओं के आगे ले आना है। मातायें बहुत हैं। नाम एक का बाला हो जाता है। तुम शक्ति सेना हो। शक्ति डिनायस्टी नहीं कहेंगे। *शक्ति सेना की मुख्य है जगदम्बा, काली, सरस्वती। * बाकी चण्डिका आदि उल्टे नाम भी बहुत रख दिये हैं।

उत्तर 14- *B.ज्ञानी*

परमपिता परमात्मा है ज्ञान का सागर। उन द्वारा तुम ज्ञानी तू आत्मा बनते हो। बाकी सब हैं भक्त तू आत्मा। बाप कहते हैं मुझे ज्ञानी तू आत्मा प्रिय लगते हैं। महिमा सारी गीता की है। *ध्यानी से ज्ञानी श्रेष्ठ हैं।* ध्यान ट्रांस को कहा जाता है। यह तो बाप से योग लगाना है। ध्यान में जाने से कोई भी फ़ायदा नहीं है।

उत्तर 15- *C.गीता*

माताओं को आगे रख उनका नाम बढ़ाना है। *अथॉरिटी से गीता के भगवान को सिद्ध करना है।* 20 नाखून के जोर से सर्विस को बढ़ाना है।

उत्तर 16- B *.जानी-जाननहार*

मीठे बच्चे - तुम ब्राह्मण ही गॉडली स्टूडेन्ट हो, *तुम्हें बाप ने रचता और रचना का ज्ञान देकर मास्टर जानी-जाननहार बनाया है* , अभी तुम सब कुछ जान जाते हो